हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 08 देहरादून, शुक्रवार, 23 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

चौबट्टाखाल को महाराज ने दी करोड़ों की सड़क, होम-स्टे की सौगात 3

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर केंद्र सरकार की उत्तराखण्ड को बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री

संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत को जानना जरूरी : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवप्रयाग स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में वेद शास्त्र अनुसंधान का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के निर्माण और विकास कार्यों की निगरानी की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से देवप्रयाग स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में स्वामी करपात्री जी महाराज के स्मृति में वेद शास्त्र अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह देवभूमि के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि संस्कृत के क्षेत्र में श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर बहुत कम समय में बड़ा नाम बन गया है। यह परिसर केंद्र सरकार की उत्तराखण्ड को बड़ी सौगात है। देव वाणी संस्कृत के प्रचार और प्रसार के लिए ऐसे विश्व विद्यालय महत्वपूर्ण हैं। आशा है कि यहां अध्ययन करने वाले छात्र स्वामी करपात्री जी महाराज की तरह ही दृढ़संकल्पी, एवं त्यागी बनेंगे । युवाओं को स्वामी करपात्री जी महाराज से त्याग, संकल्पबद्धता और धर्म रक्षा की प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हम चाहते हैं कि प्राचीन ज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्ध उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक भूमि अपने वैभव को पुनः प्राप्त करे और हमारी संस्कृति और संस्कृत का प्रचार प्रसार हो। इसके लिए यह विश्वविद्यालय उत्तराखंड ही नहीं वरन देश की महत्त्वपूर्ण धरोहर है। पहले उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों के बच्चों को संस्कृत की उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए वाराणसी, जयपुर, केरल, हरिद्वार इत्यादि जैसे शहरों में जाना पड़ता था, इससे उनका समय और धन बहुत व्यय होता था। इस परिसर के खुलने से यह समस्या हमेशा के लिए दूर हो गयी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का इस परिसर पर विशेष फोकस है। प्रधानमंत्री कार्यालय लगातार इस परिसर के निर्माण और विकास कार्यों की निगरानी करता है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संस्कृत और उत्तराखंड के प्रति प्रेम का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि संस्कृत के माध्यम से रोजगार भी मिले। उत्तराखण्ड देवभूमि के साथ ही वेदभूमि भी है। भारत ने विश्वभर में वेदों का ज्ञान दिया, इसी कारण हम विश्वगुरु कहलाये। वेद हमारी पहचान हैं। इस पहचान को हम तभी कायम रख पाएंगे जब संस्कृत का प्रचार और प्रसार पूरे भारत वर्ष में होगा। हम उत्तराखंड की शिक्षा में संस्कृत का समावेश करना चाहते हैं। संस्कृत का संरक्षण और प्रचार-प्रसार तभी हो सकता है, जब उसे रोजगार से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हम संस्कृत को जानेंगे तो अपनी संस्कृति को भी जान पाएंगे और अपनी संस्कृति को प्रेम करने तथा अपनाने वाला व्यक्ति ही जीवन में प्रगति कर पाता है। सरकार उत्तराखंड की संस्कृति के साथ साथ देववाणी संस्कृति के प्रचार और प्रसार के लिए "विकल्प रहित संकल्प" के साथ निरंतर कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर विधायक विनोद कंडारी, स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी , युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह , केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वाराखेड़ी , परिसर के निदेशक डा. पीवीबी सुब्रह्मण्यम एव अन्य गणमान्य उपस्थित थे ।

उत्तराखंड में प्री मानसून की दस्तक मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 23 जून : 23 जून से 24 जून तक होने वाली बारिश प्री-मानसून की बारिश में दर्ज की गई है । जबकि 25 जून से मानसून आएगा। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में बीते दिन बारिश के साथ ही प्री-मानसून ने दस्तक दी । 25 जून को पूरी तरह से मानसून उत्तराखंड में प्रवेश कर जाएगा। मौसम विभाग की ओर से 23 जून को प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में बारिश, गर्जन और झोंकेदार हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, 23 जून से 24 जून तक होने वाली बारिश प्री-मानसून की बारिश में दर्ज की जाएगी। जबकि 25 जून से

मानसून आएगा। प्री-मानसून के दौरान पर्वतीय इलाकों में अच्छी बारिश होने के आसार हैं। जबकि इन तीन दिनों में मैदानी इलाकों का भी मोसम बदलने की संभावना है।

पौड़ी पुलिस : 16 घंटे में नाबालिग युवतियां हुई बरामद, कप्तान श्वेता चौबे खुद कर रही थी मॉनिटरिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 23 जून : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे ने गुमशुदा युवतियों को तत्काल बरामद करने के दिये थे आदेश। रात्रि समय 11.30 को एक स्थानीय व्यक्ति कोटद्वार द्वारा अपनी लड़की व पड़ोस में रहने वाली लड़की (उम्र-13 व 16 वर्ष) के घर से कहीं चले जाने व वापस न आने के सम्बन्ध में कोतवाली कोटद्वार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली कोटद्वार पर मु.अ.स-127/2023, धारा-363 भा.द.वि. बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।प्रकरण नाबालिग युवतियों की गुमशुदगी होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा गुमशुदा युवतियों को तत्काल बरामद करने के लिए टीम गठित करने हेतु आदेशित किया गया। जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा की जा रही थी।गठित पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयासों से थाना के आस-पास के क्षेत्रों में तलाश करते हुए बीते दिन कोटद्वार क्षेत्र से दोनों गुमशुदा युवतियों को सकुशल बरामद कर नियमानुसार कार्यवाही कर परिजनों के सुपुर्द किया गया ,

पिथौरागढ़ में भीषण हादसा, खाई में गिरी जीप, 8 लोगों की मौत, 3 लापता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 23 जून : उत्तराखंड में एक भीषण हादसे की खबर सामने आ आई है। ये खबर पिथौरागढ़ जिले से है। यहां मुनस्यारी में बड़ा रोड हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि बागेश्वर से एक परिवार के लोग वाहन में सवार होकर मुनस्यारी के होकर जा रहे थे। होकरा से ठीक पहले जीप खाई में गिर गई। इस भयानक हादसे में 8 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है, जबकि 3 लोगों के लापता होने की सूचना है।

बताया जा रहा है कि सामा के लोग पूजा के लिए जा रहे थे। कार सड़क पर कटाव होने के कारण ज्यादा किनारे ले लिया। इसी दौरान हादसा हो गया। कार करीब

600 मीटर गहरी खाई में गिरी है। हादसे की सूचना मिलते ही लोग रेस्क्यू के लिए दौड़ पड़े. प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जगह-जगह कार सवार यात्रियों के शव पड़े हैं. इस बारे में आगे जो भी जानकारी मिलती है, हम आप तक जरूर पहुंचाएंगे।

आज से शुरू कीजिये मुस्कुराना, तनाव भाग जायेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जून , कभी आपने महसूस किया है कि आप कितने भी तनाव में हैं, यदि कोई आपको अजीबो-गरीब चुटकला सुनाकर हंसादे या फिर गुदगुदी ही कर दे तो आपका तनाव कुछ देर के लिये ही सही, छूमंतर हो जाता है। और तनाव ही क्यों, आपकी सब किस्म की नैगेटिव सोच ही खत्म हो जाती है? यदि नहीं किया तो प्रत्यक्ष को प्रमाण क्या? आज और अभी मुस्कुरा के देख लें, प्रमाण स्वयं ही मिल जाएगा।

साईंस ने यह सिद्ध किया है कि 'मुस्कुराने से हमारा मूड बेहतर होता है, तनाव कम होता है और यही नहीं हमारा इम्यून सिस्टम मज़बूत होता है और लाईफ-स्पैन भी बढ़ता है। स्माईल से हमारे मस्तिष्क में ज़बरदस्त कैमिकल परिवर्तन होता है। न्यूरोलॉजिस्ट्स की मानें तो स्माईल करते ही हमारे मस्तिष्क में एक बहुत ज़बरदस्त कैमिकल परिवर्तन होता है, जिससे हम प्रसन्नता महसूस करते हैं। मनोविज्ञानिकों के अनुसार, जब हम स्माइल करते हैं तो तनाव से लडने के लिये हमारे मस्तिष्क से न्यूरोपेप्टाइडस नामक मॉलीक्यूल्स निकलते हैं। फिर डोपामाइन, सेरोटोनिन व एन्डोरफिन्स आदि न्यूरोपेप्टाइडस भी अपनी-अपनी भूमिका निभाने में गतिशील हो जाते हैं। इनमें से एन्डोरफिन्स पीड़ा को कम करता है, जबकि सेरोटोनिन एन्टी-डिप्रेशन है। यहां तक कि बनावटी और ज़बरदस्ती से गई मुस्कान भी तनाव को कम कर हार्ट रेट को कम कर देती है। इसके विपरीत चेहरे पर त्योरियां होने की स्थिति में डोपामाइन व सेरोटोनिन दोनों ही का स्तर कम हो जाने से ये डिप्रेशन बढ़ाने का काम करते हैं।

मुस्कराने की आदत आपके हर कार्य, नौकरी व बिजनेस में सुधार और इजाफा ही करेगी : मुस्कराने से आप अपने व अपने क्लाइंट्स, अपने कर्मचारी साथियों और पारिवारिक व दोस्ती के रिश्तों में अनोखी मधुरता ला सकते हैं। आप खुद ही याद करके देखें, कभी किसी दुकानदार या किसी ऑफिस में कर्मचारी सड़े हुए मूड में आपसे बात करे तो आपको कैसा लगता है, और क्या आप दोबारा उससे कोई संपर्क रखना चाहेंगें? नहीं ना! कितनी बार ऐसा होता है कि बस में चढ़े और कंडक्टर ने सड़े मूड से पूछा, कित जागी (कहां जाएगी)? तो दोबारा कभी उस बस में चढने का ही मन नहीं होगा। लेकिन जब कभी अमरीका में बस सवारी का अवसर मिले, तो कंडक्टर व ड्राइवर दोनों ही बड़े प्यार व अदब से आते-जाते अभिवादन करते हैं, अब आप स्वयं ही अनुमान लगा लें कि किसे ज्यादा याद रखेंगे हम? निसंदेह ही अमरीकन कंडक्टर व ड्राइवर को। इसी तरह दुकान में कोई दुकानदार त्योरियां चढ़ाकर बात करेगा तो उसकी दुकान से क्यों कोई सामान लेगा? तो देखा आपने जब ग्राहक ही नहीं तो कैसी दुकान और कैसा बिजनेस? इसलिये अपना व्यापार व बिजनेस बढ़ाने के लिये भी मुस्काना बेहद ज़रूरी है।

क्या आप जानते हैं क्या है पैनिक अटैक और उसके लक्षण ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जून , क्या आपके करीबी, परिचितों या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप अचानक से इतने डर गये कि आपका पूरा शरीर ढेर सारे रोगों से ग्रस्त हो गया; जैसे शरीर से आपके प्राण निकलने लगे हों, पूरे शरीर में करंट सा दौडने लगा, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा हो, श्वास लेना दुभर हो गया और मरने तक का डर लगने लगा हो? यदि हां, तो यह पैनिक अटैक था।

जी हां! पैनिक अटैक तीव्र भय या जबरदस्त घबराहट के दौरे को कहते हैं। बारंबार पडने वाले अटैक को पैनिक डिसार्डर कहते हैं। ऐसे दौरे अचानक ही पड़ते हैं और प्रायः 15 से 30 मिनट में ख़त्म भी हो जाते हैं। परंतु ये कभी-कभी साइक्लिक या घंटों जारी रहने वाले भी हो सकते हैं। इसमें कोई बड़ा खतरा ना होने के बावजूद असाधारण शारीरिक लक्षणों के कारण पीड़ित अचानक से आतंकित या भयग्रस्त हो जाता है। कभी यह हल्का होता है, तो कभी यह पैनिक डिसार्डर या सोशल फोबिया जैसा लगता है। यह ऐसा डिसार्डर है, जो इंसान के जीवन का सबसे कष्टप्रद अनुभव होता है और पहले दौरे में ही हार्ट अटैक या नर्वस ब्रेकडाउन का डर समा जाता है। परंतु ये आमतौर पर मानसिक विकार के संकेत नहीं होते।

पैनिक अटैक के लक्षण क्या होते हैं ?

पैनिक अटैक एक सैन्सिटिव नर्वस सिस्टम का रिएक्शन होता है। इसके प्रमुख लक्षण अक्सर सांसें छोटी होना व सीने में दर्द महसूस होना है, जिस कारण पीड़ित इसे दिल के दौरे का संकेत समझ लेता हैं। ऐसे रोगी को एमरजेंसी कक्ष में इलाज़ की ज़रूरत होती है। डीएसम (नैदानिक मानदंड) अनुसार, पैनिक अटैक तीव्र भय या बेचैनी की ऐसी अस्थायी अवधि है, जिसमें निम्न-वर्णित चार या ज्यादा लक्षण अचानक से महसूस हों और 10-15 मिनट के अंदर अपने चरम तक पहुंच जाएं, जैसे :

अत्यंत तीव्र घबराहट;बढ़ी हुई हृदयगति या धुकधुकी;चिल्स/कंपन व हॉट फ्लैशेज (बेहद पसीना आना);सुन्न या झुनझुनी महसूस होना;दम घुटना/सांस लेने में बेहद कठिनाई महसूस होना;सीने में दर्द, बेचैनी या जकडन;नियंत्राण खोने का भयऋ चक्कर,असंतुलन, कमज़ोरी या बेहोशी;मरने का भय;मांसपेशियों में तनाव; मिचली या पेट दर्द; धुंधली दृष्टि व समझ,भ्रम या रियेलिटी का लोप होना;शुन्य दिमाग लगना;निकल भागने की ज़रूरत महसूस होना;चेहरे व गर्दन के भाग में जलन महसूस होना;सिरदर्द नहीं, पर हां, सिर में अजब सा दबाव लगना;घुटनों में कमज़ोरी वसमय बीतने का अहसास कम होना आदि हैं।

इन तरीकों से सिखाएं अपने बच्चे को पैसे की अहमियत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 जून : सही पेरेटिंग से आप बच्चों को उनके भविष्य के लिए तैयार करते हैं। बच्चों को लाड़-प्यार करना सही है, लेकिन उतना ही जरूरी है उन्हें सही-गलत के बारे में भी बताना। बच्चों को ऐसी बातें सीखनी चाहिए, जो बड़े होने पर उनके काम आएं। ऐसी ही एक आदत है पैसों की बचत। बचपन से ही उन्हें फिजूलखर्ची और सेविंग के बारे में समझाएं। यकीन मानिए बचपन में सिखी गई ये आदत बड़े होने पर उनके बहुत काम आएगी। अगर बच्चों में बचत करने की आदत होगी, तो भविष्य में उन्हें दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

1. बच्चों को पैसों की अहमियत बताना बहुत जरूरी है। उन्हें समझाएं कि आप जो पैसा कमा रहे हैं, वो उन्हीं के फ्यूचर के लिए है और इन पैसों को कमाने में बहुत मेहनत लगती है। इसलिए इसे सोच-समझकर खर्च करें। 2. कई बार बच्चों की जिद् और प्यार-दुलार के चक्कर में हम गैर जरूरी चीज़ें खरीद लेते हैं, इससे एक तरफ जहां फिजूलखर्ची होती है, वहीं दूसरी ओर बच्चों की आदतें भी खराब होती है। ऐसे में बच्चे जब किसी चीज़ के लिए बहुत जिद करते हैं, तो उसे नजरअंदाज करने में कोई बुराई नहीं। शांत होने पर उन्हें इस फिजूलखर्ची के बारे में आराम से समझाएं। 3. बचपन में आप या हम जब भी कहीं से पैसे मिलते थे, तो उसे बचाकर रखते थे, तो अभी भी अगर उन्हें गिफ्ट के बजाय पैसे मिलें, तो खुद के पास रखने के बेहतर उन्हें ही इसे संभालकर रखने को कहें। उनके पैसे जोड़ने की आदत को बढ़ावा दें। उन्हें इसके लिए गुल्लक खरीद कर दें। 4. किसी खास मौके जैसे- बर्थडे या त्योहार पर पर बच्चों को उनके बचाए गए पैसों से ही गिफ्ट खरीद कर दें, इससे वह सेविंग का महत्व समझेंगे और अगली बार अच्छा गिफ्ट पाने के लिए और पैसे बचाएंगे। 5. इसके अलावा बच्चे को बताएं कि जो भी चीज अच्छी लगे हर वो चीज़ खरीद नहीं सकते। शौक और जरूरत की चीजों में चुनाव करना पड़ता है, तो प्रायोरिटी तय करें।

देहरादून : कॉलेजों में प्रवेश के लिए 24 जून तक होंगे समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 जून : प्रदेश में उच्च शिक्षा में नए शैक्षणिक सत्र के लिए समर्थ पोर्टल पर 24 जून तक पंजीकरण हो सकेंगे। इसके अलावा पोर्टल पर त्रुटि सुधार भी कर सकते हैं। सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर प्रवेश पंजीकरण के लिए राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों सहित अन्य राज्यों से भी उत्साहजनक आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। पंजीकरण प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पोर्टल पर प्रवेश के लिए किसी भी समस्या के निराकरण के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई है। छात्रों की सुविधा के लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर 30 रुपये के न्यूनतम शुल्क पर पंजीकरण सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि यदि किसी राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध निजी महाविद्यालय की ओर से समर्थ पोर्टल के अतिरिक्त अन्य माध्यम से प्रवेश दिया जाता है तो वह प्रवेश अमान्य होगा। शैक्षणिक सत्र 2023-24 की प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से किए जाने के लिए राज्य विश्वविद्यालय में तकनीकी समिति गठित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिससे विद्यार्थी व महाविद्यालय आवश्यकतानुसार सहयोग प्राप्त कर सकें।

चौबट्टाखाल को महाराज ने दी करोड़ों की सड़क, होम-स्टे की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौखडा (पौडी), 23 जून, चौबट्टाखाल विधायक और प्रदेश के लोक निर्माण, पंचायती राज, पर्यटन, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान 468.35 लाख की धनराशि की अनेक योजनाओं की सौगात दी।चौबट्टाखाल विधायक और प्रदेश के लोक निर्माण, पंचायती राज, पर्यटन, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज नेअपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान विकासखण्ड पोखड़ा को राज्य योजना के अंतर्गत 261.88, लाख की धनराशि की जूनीसेर-बांसई मोटर मार्ग के डामरीकरण और सतपुली में 199.47 लाख की धनराशि से बने होम स्टे, फिशरीज सेंटर और विकासखण्ड एकेश्वर के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों मासौ मुसेटा, पबोली, सासौं, पुसोली, मुड़ियाप, डियूल्ड, अंसारी थापला, बग्याली, कुलासू, ईडा, रणस्वा, पांथर, बडेथ और इसौटी के ग्राम प्रधानों को कुल 70 लाख की लागत के कंप्यूटर का वितरण किया।

महाराज ने कहा कि 1 वर्ष के अंतराल में क्षेत्र में 78 करोड़ 90 लाख की लागत से 67 किलोमीटर मोटर मार्ग का निर्माण किया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सिंचाई विभाग के द्वारा बाढ़ सुरक्षा और अन्य कार्यों हेतु 19 करोड़ 81 लाख रुपए से भी अधिक की स्वीकृति दी गई। विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में 58 पंचायत घरों की स्वीकृति दी गई। पर्यटन विभाग के अन्तर्गत पर्यटन आवास गृहों हेतु 10 करोड़ 47 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई।उन्होने बताया कि पम्पिंग पेयजल योजनाओं के निर्माण के लिए 01 अरब 60 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 674 महिला स्वयं सहायता समूहों को 66 लाख 30 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। क्षेत्र के विकास के लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं अन्य कई प्रकार की पर कार्य चल रहा है।

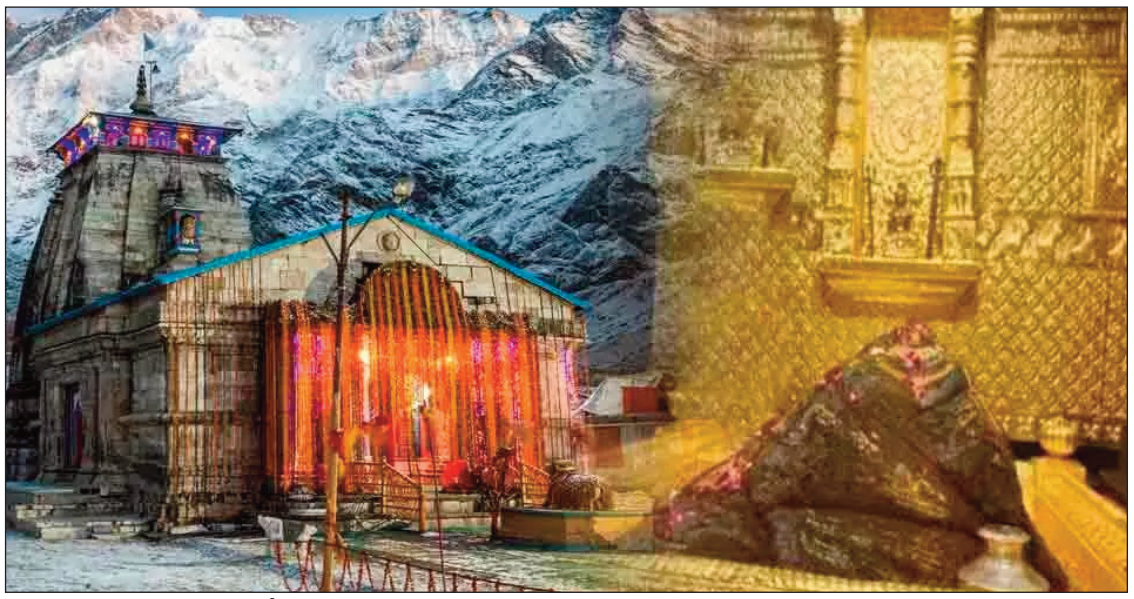

क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने भ्रमण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 स्यूंसी-बी-रोंखाल के बीच निर्माणाधीन कार्यों, कुण्जखाल में बरसुण्ड पम्पिंग पेयजल योजना की प्रगति की जानकारी लेने के साथ-साथ सतपुली नगर में निर्माणाधीन बहुमंजिला शॉपिंग कॉम्पलैक्स एवं कार पार्किंग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोटा महादेव मंदिर में आयोजित महोत्सव के समापन समारोह में भी प्रतिभाग किया। लोकार्पण के साथ-साथ कोटा महादेव महोत्सव के समापन के दौरान प्रेम सिंह रावत, पुष्कर जोशी, विवेक सजवाण, भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमपाल, मुकेश पोखरियाल, ध्यान पाल गुसाईं, प्रेम सिंह नेगी, यशपाल गोरला, बलवंत सिंह, दर्शन सिंह रिगोड़ा, राजेंद्र सिंह, सत्येंद्र ढौडियाल और यशवंत सिंह आदि उपस्थित थे।

सोना विवाद में महाराज ने बिठा दी जाँच, कांग्रेस को कोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 जून, केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह की दीवारों पर सोने की प्लेट को लेकर उठे विवाद को देखते हुए पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने धर्मस्व सचिव हरीश चंद्र सेमवाल को मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश देने के साथ-साथ कहा है कि केदारनाथ धाम की धार्मिक आस्था, पवित्रता और महत्ता के साथ खिलवाड़ करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और शीघ्र ही सच्चाई सबके सामने आएगी, जो कुछ भी भी जांच में आएगा उसके आधार पर ही आगे कार्रवाई की जाएगी।

चार धाम तीर्थों को विवाद में डालना ठीक नहीं : महाराज

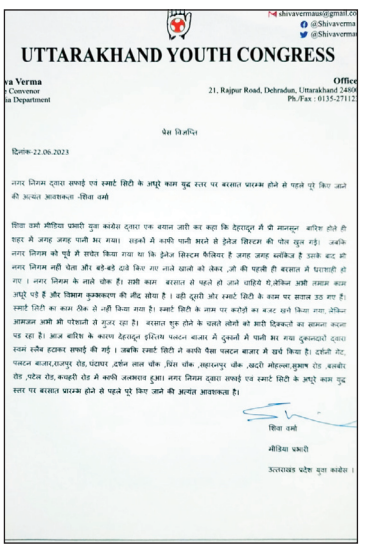

प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह की दीवारों पर सोने की प्लेट को लेकर उठे विवाद को देखते हुए सचिव धर्मस्व को उच्च स्तरीय जांच के आदेश देने के साथ ही इस मामले को अनावश्यक तूल देकर चारधाम के तीर्थों को विवाद में न डालने की बात कही है।

आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नही - सतपाल महाराज

महाराज ने कहा कि प्रथम दृष्टिया आरोपों को सही नहीं कहा जा सकता। क्योंकि जिस श्रद्धालु ने केदारनाथ मंदिर में सोना और तांबा दान किया है, उसी ने वहाँ पूरा काम भी कराया है। इसलिए किसी प्रकार के गबन या भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है। चूंकि अफवाहें फैलाई जा रही हैं और कुछ लोग सुव्यवस्थित व निर्बाध गति से चल रही चारधाम यात्रा को बदनाम कर बाधित करना चाहते हैं जबकि विपक्ष भी इस मामले को अनावश्यक तूल देने का प्रयास कर राजनीतिक रोटियां सेंक रहा है। इसलिए मैंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि सच सामने लाया जाए और दोषियों को सजा दी जा सके।

बरसात से पहले पूरी हो स्मार्ट सिटी की अधूरी साफ़ सफाई : शिवा वर्मा

UTTARAKHAND YOUTH CONGRESS

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक-22.06.2023

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 जून, उत्तराखंड के वरिष्ठ अधिवक्ता और प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी युवा कांग्रेस शिवा वर्मा ने कहा है कि देहरादून में प्री मानसून बारिश होते ही शहर में जगह जगह पानी भर गया है। सड़कों में काफी पानी भरने से ड्रेनेज सिस्टम की पोल खुल गई। जबकि नगर निगम को पूर्व में सचेत किया गया था कि ड्रेनेज सिस्टम फैलियर है जगह जगह ब्लॉकेज है उसके बाद भी नगर निगम नहीं चेता और बड़े-बड़े दावे किए, गए नाले खालो को लेकर ,जो की पहली ही बरसात में धराशाही हो गए । नगर निगम के नाले चोक हैं और आम शहरी बेहद परेशानियों का सामना करने को मजबूर है।

कांग्रेस लीडर शिवा वर्मा ने कहा कि सभी काम बरसात से पहले हो जाने चाहिये थे,लेकिन अभी तमाम काम अधूरे पड़े हैं और विभाग कुम्भकरण की नींद सोया है । वही दूसरी ओर युवा लीडर शिवा वर्मा ने स्मार्ट सिटी के काम पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी का काम ठीक से नहीं किया गया है।

स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों का बजट खर्च किया गया, लेकिन आमजन अभी भी परेशानी से गुजर रहा है। बरसात शुरू होने के चलते लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है।आज बारिश के कारण देहरादून इस्तिथ पलटन बाजार में दुकानों में पानी भर गया दुकानदारों द्वारा स्वमं स्लैब हटाकर सफाई की गई । जबकि स्मार्ट सिटी ने काफी पैसा पलटन बाजार में खर्च किया है। दर्शनी गेट, पलटन बाजार,राजपुर रोड, घंटाघर ,दर्शन लाल चौक ,प्रिंस चौक ,सहारनपुर चौक ,खदरी मोहल्ला,सुभाष रोड ,बलबीर रोड ,पटेल रोड, कचहरी रोड में काफी जलभराव हुआ। नगर निगम द्वारा सफाई एवं स्मार्ट सिटी के अधूरे काम युद्ध स्तर पर बरसात प्रारम्भ होने से पहले पूरे किए जाने की अत्यंत आवशकता है।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि उत्तराखण्ड

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी के मागर्दशन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड आज जिस तरह से कानून व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास के अभियान को आगे बढ़ा रहा है, वो बहुत सराहनीय है। ये इस देवभूमि की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी अहम है। और मेरा विश्वास है कि देवभूमि आने वाले समय में पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना के आकर्षण का केंद्र बनेगी। हमें इस सामर्थ्य के अनुरुप भी उत्तराखण्ड का विकास करना होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकास के नवरत्न

1

केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।

2

गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।

3

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

4

4000 से अधिक होम स्टे विकसित।

5

16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

6

AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।

7

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

8

एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।

9

टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का विकास।

- चारधाम ऑल वेदर रोड
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड
- भारतमाला परियोजना
- एक जिला-दो उत्पाद योजना
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि उत्तराखण्ड

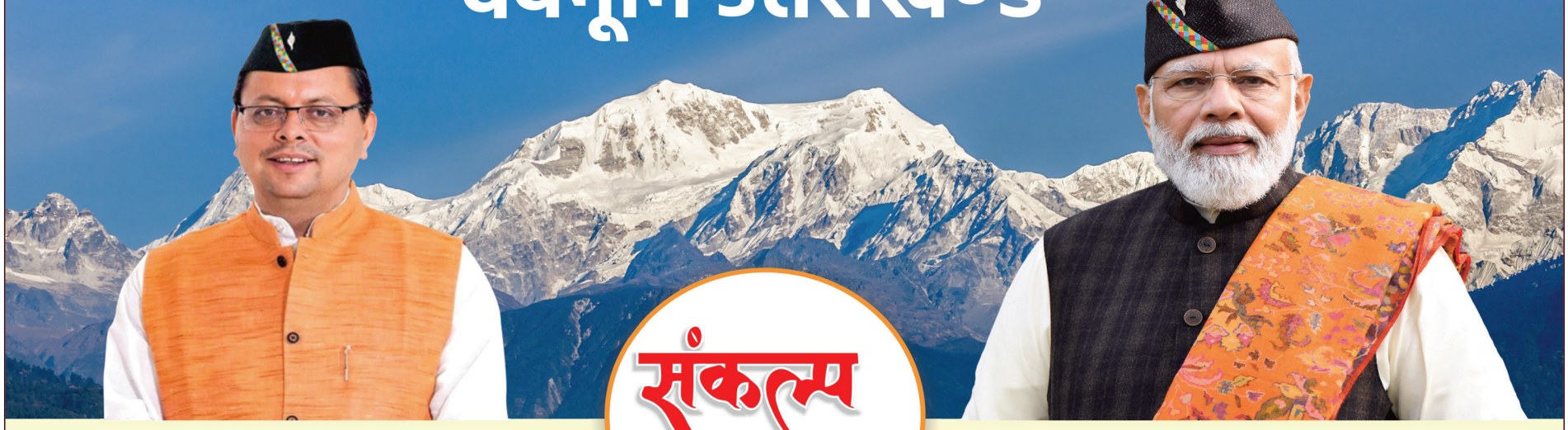

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी के मागर्दशन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड आज जिस तरह से कानून व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास के अभियान को आगे बढ़ा रहा है, वो बहुत सराहनीय है। ये इस देवभूमि की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी अहम है। और मेरा विश्वास है कि देवभूमि आने वाले समय में पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना के आकर्षण का केंद्र बनेगी। हमें इस सामर्थ्य के अनुरूप भी उत्तराखण्ड का विकास करना होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकास के नवरत्न

1

केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।

2

गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।

3

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

4

4000 से अधिक होम स्टे विकसित।

5

16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

6

AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।

7

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

8

एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।

9

टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का विकास।

- चारधाम ऑल वेदर रोड
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड
- भारतमाला परियोजना
- एक जिला-दो उत्पाद योजना
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं को लेकर सचिव दीपक कुमार ने अधिकारियों का मार्गदर्शन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग,22 जून। जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग उत्तराखंड शासन दीपक कुमार ने गुप्तकाशी में GMVN परिसर में योग दिवस पर प्रतिभाग करने एवं श्री केदारनाथ मंदिर में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उपरान्त गुप्तकाशी लोनिवि गेस्ट हाउस में जनपवद स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली 1 सचिव दीपक कुमार ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ संचालित योजनाओं का लाभ आम जनमानस को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें 1

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि दूरस्थ क्षेत्रों में बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया जाए ताकि पात्र व्यक्तियों को संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध हो सके और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके 1 उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की तो अनिवार्य रूप से जानकारी होनी आवश्यक है ही, साथ ही अन्य विभागों की भी जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एकत्रित करें 1 उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत आवेदन करने वाले बेरोजगारों को उनके द्वारा किए गए आवेदनों पर यथाशीघ्र योजना से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें 1 साथ ही निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन पत्र आने पर लक्ष्य संशोधन हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाएँ ताकि उन्हें शासन को प्रेषित किया जा सके 1

उन्होंने कहा कि किसी भी निर्माणाधीन सड़कों एवं उन पर बनने वाले बाईपास के निर्माण कार्य से पूर्व स्लाइडिंग जोन का भारत सरकार के प्रतिष्ठित संस्थाओं से भी सर्वेक्षण करवाये जाएँ 1 सचिव दीपक कुमार ने कहा कि जैसे पूर्व समीक्षा में भी निर्देशित किया था, त्रियुगीनारायण में वेडिंग डेस्टिनेशन व होम स्टे की अपार संभावनाएं हैं 1 इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार करने को कहा 1 साथ ही पहाड़ी खेतों में भी पावर वीडर का उपयोग कर कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिल्वयाएँ 1 उन्होंने चिकित्सालयों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए , यथा रोस्टर द्वारा तैनाती1 इसके अलावा सचिव ने मा मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की प्रगति, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना, वीर चंद्र सिंह गढवाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना आदि संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए 1

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संदीप भट्ट,जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र सिंह चौधरी, तह-सीलदार ऊखीमठ दीवान सिंह राणा, ग्राम प्रधान त्यूडी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे 1

शुरू हुई वर्षा ऋतु, जानें कैसे होता है मौसम परिवर्तन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जून , ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य हर महीने राशि बदलता है। इस दौरान सूर्य अलग-अलग नक्षत्रों में भी प्रवेश करता है। सूर्य के इन नक्षत्रों में जाने से ऋतुएं शुरू व समाप्त होती हैं। जब सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है तो वर्षा ऋतु का आरंभ माना जाता है। इस बार सूर्य 22 जून, गुरुवार को आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश कर चुका है। इसी के साथ वर्षा ऋतु का आरंभ भी हो चुका है।

कब तक रहेगी वर्षा ऋतु ?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार वर्षा ऋतु का आरंभ 22 जून, गुरुवार से हो चुका है। इस नक्षत्र में सूर्य 6 जुलाई तक रहेगा। इस दौरान मास परिवर्तन भी होगा यानी 3 जुलाई तक आषाढ़ मास रहेगा और इसके बाद सावन मास शुरू हो जाएगा। वर्षा ऋतु 23 अगस्त, बुधवार तक रहेगी, इसके बाद शरद ऋतु का आरंभ हो जाएगा।

क्यों खास है आर्द्रा नक्षत्र ?

ज्योतिष शास्त्र में आर्द्रा नक्षत्र को बहुत ही खास माना गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार जब सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में आता है तो धरती रजस्वला होती है। यानी ये समय बीज बोने के लिए सही होता है। इस समय बोबनी करने से फसल काफी अच्छी होती है। इस नक्षत्र के स्वामी रुद्रदेव हैं, जो आंधी-तूफान के स्वामी भी माने जाते हैं। ये भगवान शिव का ही रूप माने जाते हैं। इस नक्षत्र पर राहु का भी विशेष प्रभाव माना गया है। ये नक्षत्र मिथुन राशि के अंतर्गत आता है। ये नक्षत्र उत्तर दिशा का स्वामी है।

कैसे बदलती हैं ऋतुएं ?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य 365 दिन में 12 राशियों में भ्रमण करता है, इस दौरान सूर्य अलग-अलग नक्षत्रों में भी प्रवेश करता है। इसी के आधार पर ऋतुओं का समय तय होता है। सूर्य जब मेष और वृषभ राशि में रहता है तो ग्रीष्म ऋतु होती है। जब सूर्य मिथुन राशि के अंतर्गत आने वाले आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है तो वर्षा ऋतु का आरंभ हो जाता है। इसी तरह अन्य ऋतुओं का समय भी निर्धारण होता है। सूर्य के आर्द्रा नक्षत्र में आने पर विशेष पूजा की जाती है, जिससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

2 बच्चों की माँ प्रतिभा एशिया बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप के लिए तैयार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जून , उत्तराखंड की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल नेपाल में होने वाले एशिया बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप और साउथ कोरिया में होने वाले वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए उत्साहित हैं । आपको बता दें कि देवभूमि की प्रतिभा का चयन छह से बारह सितम्बर नेपाल की राजधानी काठमांडू में होने वाली एशिया बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप तथा 30 अक्टूबर से 06 नवंबर तक होने वाली वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप साउथ कोरिया ,सिओल के लिए हुआ है।

ये पहाड़ के लिए गर्व भरी उपलब्धि भी है क्योंकि प्रतिभा पुरे देश में एकलौती महिला हैं जिनका चयन इस प्रतियोगिता के लिए किया गया है। गोवा में बॉडी बिल्डर फेडरेशन की ओर आयोजित ट्रायल में लगभग 23 महिला बॉडी बिल्डरों ने हुनर दिखाया था लेकिन प्रतिभा की प्रतिभा ने बाज़ी मार ली ।

उत्तराखंड की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल पौड़ी जिले की यमकेश्वर ब्लॉक की निवासी है। प्रतिभा के पति भूपेश थपलियाल देहरादून में कपड़ों का व्यवसाय करते हैं। प्रतिभा के बॉडी बिल्डिंग क्षेत्र में जाने का कारण एक बीमारी रही। 2008 में

जब प्रतिभा का दूसरा बेटा हुआ तो उसके बाद प्रतिभा थकान और कम प्रेशर का शिकार हो गई। वजन काम करने के लिए उन्हें जिम ज्वाइन करना पड़ा।

जिम में पसीना बहा रही पत्नी प्रतिभा को देख पति को लगने लगा कि प्रतिभा के शरीर में बॉडी बिल्डिंग की संभावनाएं है। तब उन्होंने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता को लक्ष्य बनाकर उन्हें जिम ज्वाइन करवाई और तैयारी में जुट गए। इसी का नतीजा था कि कुछ महीनों की तैयारी के बाद 2022 में सिक्किम में हुई बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रतिभा को चौथा स्थान मिला। साल 2023 में रतलाम में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड जीतकर सबकी नजरों में छा गई। अब एशिया चैम्पियनशिप और विश्व चैम्पिय-नशिप में उत्तराखंड को ही नहीं पूरे देश को प्रतिभा से कामयाबी की उम्मीदें लगी हैं।

देहरादून : 24 घण्टे के अन्दर नाबालिग गुमशुदा को प्रेमनगर पुलिस द्वारा किया गया सकुशल बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 जून : नन्दन सिंह कोरंगा पुत्र चन्दन सिंह निवासी मोहनपुर थाना प्रेमनगर द्वारा थाने पर आकर एक किता तहरीर दी कि उनका पुत्र गौरव जो कि 15 वर्ष का है तथा केन्द्रीय विद्यालय आई0एम0ए0 प्रेमनगर में कक्षा 9 वीं में पढता है। प्रातः 07.00 बजे घर से स्कूल के लिए निकला था,जो कि दोपहर में 02.00 बजे स्कूल की छुट्टी होने के पश्चात वापस घर नहीं लौटा है तथा उनके द्वारा पता किया गया तो उनका पुत्र दिनांक 20-06-23 को स्कूल ही नहीं गया था।उक्त तहरीर के सम्बन्ध में थाना प्रेमनगर पर तत्काल मु0अ0सं0-132/23 धारा-363 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया तथा उच्च अधिकारी गणों को अवगत कराया गया।

उक्त नाबालिग गुमशुदा के प्रकरण में त्वरित संज्ञान लेते हुए दलीप सिंह कुंवर,पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,जनपद देहरादून द्वारा गुमशुदा की तलाश व सकुशल बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर सरिता डोबाल,पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष प्रेमनगर के नेतृत्व में टीम गठित कर गुमशुदा की तलाश शुरु की गयी। गठित टीम द्वारा गुमशुदा की तलाश हेतु वादी के घर के आस-पास तथा गुमशुदा के स्कूल जाने वाले रास्तों पर लगे सी0सी0टी0वी0 कैमरों को चेक किया गया तो उक्त बालक अपने घर से साइकिल पर अकेले ही प्रेमनगर से होते हुए आई0एस0बी0टी0 की ओर जाता दिखाई दिया, जिस पर पुलिस टीम द्वारा आई0एस0बी0टी0 जाने वाले मार्ग पर लगे विभिन्न सी0सी0टी0वी0 कैमरों को चेक किया तो आई0एस0बी0टी0 से उक्त बालक हरिद्वार की ओर जाने वाली बस में जाता हुआ दिखाई दिया।

तत्पश्चात तत्काल दो टीमें बनाकर एक टीम को हरिद्वार तथा एक टीम को ऋषिकेश रवाना किया गया।जहां पर दोनों टीमों द्वारा हरिद्वार तथा ऋषिकेश के बस अड्डों पर गुमशुदा के फोटो वहां के मौजूद लोगों को दिखाये गये तथा उक्त गुमशुदा की तलाश हेतु मुखबिर मामूर किये गये। जिस पर पुलिस टीम को अथक प्रयासों के पश्चात आज दिनांक 21-06-23 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि उक्त गुमशुदा ऋषिकेश बस अड्डे पर देखा गया है।जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त गुमशुदा गौरव को तलाश करते हुए सांय के समय ऋषिकेश बस अड्डे के पास से सकुशल सुरक्षित बरामद किया।उक्त गुमशुदा को बरामदगी के पश्चात सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।गुमशुदा के परिजनों व आम जन मानस द्वारा गुमशुदा को 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद करने पर थाना प्रेमनगर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड की ये है रहस्यमय झील का सच !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जून , आज हम आपको उत्तराखंड की रहस्यमय झील के बारे में बताने जा रहे है जिसके नज़ारे अदभुत है। ये है रहस्यमय जगह हैं। ये रहस्य एक झील का है जो नैनीताल में स्थित है। देश और दुनिया से टूरिस्ट यहां आते हैं और इस झील का दीदार करते है। और इस झील को ताल झील कहते है। लोगो का कहना है कि इस ताल पर परियां नहाने के लिए आती हैं। ये सुनकर अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह एकदम सही है। आइए इस ताल के बारे में विस्तार से जानते हैं।

इस ताल को उत्तराखंड का एक रहस्यमयी ताल भी कहा जाता है। लोगों का कहना है कि हर पूर्णिमा की रात यहां परियां नहाने आती हैं, इसलिए यहां स्थानीय लोग नहाने और डुबकी लगाने से परहेज करते हैं। झील की असल गहराई का पता नहीं चल पाया है। इस ताल के आसपास की कुछ काली चट्टानें दिखती हैं। इन्हें शिलाजीत युक्त चट्टान माना जाता है। यह एंटी एजिंग के लिए औषधीय तत्वों से भरपूर होती है। इस ताल से सटा एक खूबसूरत सा झरना भी दिखाई देता है, जो इसकी सुंदरता को और निखार देता है।

इस ताल तक पहुंचने के लिए यदि ट्रैकिंग करते हुए जाते है यह सफर बेहद ही रोमांचक होता है। जंगलों के बीच से गुजरते गए इस रास्ते में कई जंगली जानवरो की आवाज़ भी सुनाई देती है। लेकिन इस रास्ते से गुजरते हुए इस परी ताल तक पहुंचने का सफर बेहद सुहाना होता है। यहां से जाते हुए आपको रास्ते मे एक पुल भी मिलेगा जो कि ब्रिटिश काल का है। जो बहुत ही खूबसूरत है। इस ताल की रहस्यमयी तालों में गिनती की जाती है। माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन यहां परिया नहाने के लिए आती है। यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है। यदि आप नैनीताल की सैर पर आ रहें है तो आप इस परी ताल पर अवश्य जाए। जिसको देखते ही आपका मन खुश हो जाएगा।

संपादकीय

चीन का 'आतंकी' वीटो

चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर 'वीटो पॉवर' का दुरुपयोग किया है। अब तो वह आदी हो गया है कि जब भी पाकिस्तान के किसी आतंकवादी को 'वैश्विक आतंकी' घोषित करने का प्रस्ताव आता है, तो चीन 'वीटो' के जरिए उसे ब्लॉक करवा देता है। ताजा मामला 26/11 मुंबई आतंकी हमले के 'मास्टर माइंड' साजिद मीर का है, जिसे 'वैश्विक आतंकी' की सूची में डालने का प्रस्ताव भारत और अमरीका का था। अमरीका ने तो उस पर 41 करोड़ रुपए का इनाम भी घोषित किया था। प्रस्ताव बीते साल सितंबर में रखा गया था, लेकिन चीन ने तकनीकी आधार पर उसे रुकवा दिया था। इस पर लगातार विचार किया गया और अब बीती 20 जून को सुरक्षा परिषद में यही प्रस्ताव दोबारा पेश किया गया था। चीन ने अपने 'विशेषाधिकार' का फिर दुरुपयोग किया। चीन ऐसा कर कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर रहा, लेकिन अपनी 'विशेष शक्ति' का नाजायज लोहा मनवाना चाहता है। बेशक पाकिस्तान चीन का 'बंधक-सा' देश है। पाकिस्तान पर चीन का कर्ज और दूसरी कृपाओं के बोझ इतने हैं कि वह बोल नहीं सकता। चीन ने सुरक्षा परिषद में जैश-ए-मुहम्मद आतंकी संगठन के सरगना मसूद अजहर को भी सालों तक बचाया था, उसकी पैरोकारी की थी, लेकिन उसे 'वैश्विक आतंकी' घोषित करने से चीन, अंततः, बचा नहीं सका। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच देशों-अमरीका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन-को ही 'वीटो पॉवर' हासिल है। जिस मकसद से यह विशेष शक्ति दी गई थी, आज उसका ह्रास हो चुका है। विश्व-व्यवस्था भी बदल चुकी है, लिहाजा बार-बार यह मांग दोहराई जाती है कि संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था में सुधार किया जाए और भारत, जापान, जर्मनी सरीखे ताकतवर, विवेकशील देशों को भी 'स्थायी सदस्य' बनाकर वीटो का विशेषाधिकार दिया जाए। हालांकि भारत ने 26/11 आतंकी हमले से जुड़ा एक ऑडियो सुना कर सुरक्षा परिषद में चीन और पाकिस्तान को बेनकाब किया है। ऑडियो में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी मुंबई में घुसे आतंकियों को निर्देश दे रहा था कि आसपास कोई भी हलचल दिखे, उन्हें तुरंत गोली मार दो।' इसके अलावा, पाकिस्तानी-अमरीकी आतंकी डेविड हेडली को अमरीकी एजेंसी एफबीआई ने 2008 में शिकागो से पकड़ा था। उसने 2011 में अमरीकी अदालत में और 2016 में मुंबई की अदालत में गवाही देकर खुलासा किया था कि साजिद मीर और मेजर इकबाल, जिसे उसने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का अफसर बताया था, 26/11 हमले के 'मुख्य साजिशकारों' में शामिल थे। मीर एफबीआई की 'मोस्ट वांटेड टेररिस्ट' सूची में भी था। सुरक्षा परिषद के सामने ये तमाम सूचनाएं और साक्ष्य रखे गए हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

भूपेन्द्र सक्सेना की पुत्री की शादी में आर्शीवाद देने घर पहुंचे सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

किच्छा , 23 जून , प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्व0 गिरजेश गंगवार रा.ई.का. मैदान बरा पहुंचे। बरा से सीएम धामी ग्राम भुड़िया कालोनी बहेड़ी जिला बरेली यूपी के भूपेन्द्र सक्सेना की पुत्री की शादी में आर्शीवाद देने घर पहुंचे।। इस अवसर पर स्वामी यतीन्द्रा नन्द गिरी, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, अध्यक्ष जिलापंचायत रेनू गंगवार, मेयर रामपाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, अमित नारंग, सुरेश गंगवार, राजेश अग्रवाल, प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह आदि उपस्थित थे।

वाहन चोरी गैंग के लिए स्पेशल टीम काम कर रही : एसएसपी हरिद्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 23 जून : जनपद में वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने हेतु एसएसपी हरिद्वार श्री अजय सिंह द्वारा कड़े दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिसके क्रम में थाना खानपुर पर बाइक चोरी संबंधी दर्ज मुकदमे में कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को थाना क्षेत्र से शातिर गैंग के 03 सदस्यों दबोचने में सफलता हाथ लगी।अभियुक्तों से थाना क्षेत्रांतर्गत से चोरी की मोटरसाइकिल सहित 10 चोरी की मोटर-साइकिल बरामद की गई। जो अभियुक्तों ने कोतवाली नगर, ज्वालापुर, रानीपुर व अन्य क्षेत्रों से चोरी की थी।

नाम पता अभियुक्तों1- अभिषेक पुत्र बबलू निवासी ब्रह्मपुरी रावली महदूद 2-बंटी पुत्र प्रेम

सिंह निवासी ग्राम रोहाल्की थाना खानपुर जनपद हरिद्वार 03- नीरज पुत्र सूरज भान निवासी फुगाना थाना फुगाना मुजफ्फर उत्तर प्रदेश

बरामदगी10 मोटरसाइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर

सिंगल यूज़ प्लास्टिक की जागरूकता के लिए वन विभाग गंभीर : अनूप मलिक, प्रमुख वन संरक्षक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जून , प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक ने कहा कि एकल उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण के लिए घातक है। हर साल औसतन 400 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसमें 50 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक है। मात्र नौ प्रतिशत की ही रिसाइकिलिंग की जा रही है। यूकॉस्ट और सीआईआई की ओर से पर्यावरण सम्मेलन में प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान विषय पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में मलिक ने कहा, सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए जनस-हभागिता जरूरी है। इसके लिए व्यापक स्तर पर समुदायों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। इस दिशा में काम करने वाले सभी हितधारकों को वन विभाग पूरा सहयोग करेगा। नगर निगम मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि प्लास्टिक समस्या का जन सहभागिता से हल किया जा सकता है। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए नगर निगम की ओर से की गई पहल को साझा किया जिसमें कपड़े के दो लाख बैगों का वितरण और एक लाख से अधिक छात्रों को एकल उपयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिए प्रेरित करने की बात प्रमुख थी।

टिकाऊ पैकेजिंग के मुद्दों पर चर्चा

यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा, उत्तराखंड प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। प्लास्टिक कचरा राज्य में एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या बन गया है जो इसकी पारिस्थितिकी के साथ मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चेताया कि पारिस्थितिकी रूप से संवेद-नशील राज्य से आने वाले समय में प्लास्टिक कचरा गंभीर समस्या बनेगी। कार्यक्रम में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और टिकाऊ पैकेजिंग के मुद्दों पर चर्चा की गई।

सिंथेटिक हीरा क्या है? जिसे जिल बाइडेन को पीएम मोदी ने दिया गिफ्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जून , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 दिवसीय राजकीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन से मुलाकात की। पीएम मोदी प्राइवेट डिनर के लिए व्हाइट हाउस पहुंचे और यहां उनकी भव्य खातिरदारी हुई। इस दौरान जिल बाइडेन को पीएम मोदी ने गिफ्ट में लैब में विकसित 7.5 कैरेट का हरे रंग का हीरा दिया। यह एक सिंथेटिक हीरा है जो पर्यावरण के अनुकूल है। इसके निर्माण में सौर और पवन ऊर्जा जैसे पर्यावरण-विविध संसाधनों का उपयोग किया गया है। सिंथेटिक हीरे प्रयो-गशालाओं में उगाए जाते हैं और मूल रूप से प्राकृतिक हीरे के समान ही इसमें रासायनिक संरचना, क्रिस्टल संरचना और भौतिक गुण होते हैं।

क्या है सिंथेटिक हीरा ?

जैसा कि हम जानते हैं सालों तक जमीन के अंदर होने वाली प्रोसेस के बाद में हीरा बनाता है। लेकिन अब लैब में भी हीरे उगाए जा रहे हैं। लैब में बनाए जाने वाले हीरे उतने ही असली होते हैं जितने कि धरती से निकाले गए हीरे। उनके पास एक ही रासायनिक, भौतिक और ऑप्टिकल गुण हैं जो धरती के नीचे से निकाले गए हीरो में होता है। इतनी आग, जगमगाहट और चमक बिल्कुल समान रहती है। जी हां, प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे, हर तरह से मिट्टी से निकाले गए हीरे के समान होते हैं, सिवाय इसके कि वे एक प्रयोगशाला में उगाए जाते हैं।

सिंथेटिक हीरे को बनाने में कितना वक्त लगता है ?

सिंथेटिक हीरे प्राकृतिक हीरे की तरह ही चमकदार और टिकाऊ होते हैं। इन्हें कम कीमत पर खरीदा जा सकता है। प्राकृतिक हीरे लाखों से अरबों साल तक पृथ्वी की गहराई में बनते हैं वहीं सिंथेटिक हीरे एचपी-एचटी या सीवीडी प्रक्रियाओं के माध्यम से कुछ ही दिनों या हफ्तों में प्रयोगशालाओं में बनाए जा सकते हैं।

घुटनों के बीच तकिया रखकर सोने के हैं 5 गजब फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जून , तकिया लगाने का हर किसी का अपना तरीका होता है. अगर आप कमर दर्द और सायटिका जैसे असहनीय दर्द से परेशान हैं तो आपको सोते समय घुटनों के बीच तकिया लगाकर सोना चाहिए. यह काफी फायदेमंद होता है.क्या आप जब सुबह सोकर उठते हैं तो आपके कमर में दर्द रहता है. क्या आप इस दर्द से परेशान हो गए हैं. तो आपको डॉक्टर के पास जाने से पहले अपने सोने के तरीकों में बदलाव करके देख लेना चाहिए. क्योंकि कई बार रात में गलत तरीके से सोने और खराब पोश्चर की वजह से कमर-पीठ में दर्द या जकड़न की समस्या हो जाती है. अगर आप सोते वक्त तकिया लगाते हैं तो इसके सही इस्तेमाल से इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं. पैरों या घुटनों के बीच तकिया लगाकर सोने से नींद बेहतर आती ही है, बैक पेन से भी छुटकारा मिल जाती है.

घुटनों के बीच में तकिया लगाना फायदेमंद क्यों

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब पैरों के बीच तकिया रखकर सोते हैं, तब पेल्विस न्यूट्रल रहता है और रीढ़ की हड्डी रातभर स्थिर बनी रहती है. इसकी वजह से टीशू में स्ट्रेस नहीं आने पाता और हर्नियेटेड डिस्क या कटिस्नायुशूल की वजह से जो दर्द होता है, वह कम हो जाता है. इसलिए घुटनों के बीच तकिया लगाना फायदेमंद होता है.

घुटनों के बीच तकिया लगाने के 5 जबरदस्त फायदे

1. बैक पेन या हिप पेन की समस्या से परेशान हैं तो आज से ही घुटनों के बीच तकिया लगाकर सोना शुरू कर दीजिए. इससे बेहतर नींद आएगी और दर्द छूमंतर हो जाएगा. 2. लोअर बैक और हिप्स में दर्द रहता है तो यह कटिस्नायुशूल की वजह से होता है. इससे छुटकारा पाने के लिए घुटनों के बीच तकिया रखकर सोएं. 3. अगर साइटिका यानी पीठ के निचले हिस्से में दर्द या कूल्हों में मरोड़ की समस्या है तो पैरों के बीच तकिया लगाकर सोने से आराम मिल सकता है. 4. घुटनों के बीच तकिया लगाकर सोने से स्पाइन अलाइनमेंट में किसी तरह की समस्या या दर्द नहीं होती है. 5. हर्नियेटेड डिस्क की प्रॉब्लम रीढ़ की हड्डी के ज्यादा घुमाव या उस पर दबाव के कारण होता है. ऐसे में बैक बोन का रोटेशन कम कर आप इस दर्द से छुटकारा पा सकते हैं. इसके लिए पैरों के बीच तकिया लगाना फायदेमंद होता है.